प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 10 फरवरी, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल), राँची के बच्चों एवं शिक्षकों के साथ माननीय प्रधानमंत्री जी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी पहल है। यह न केवल परीक्षा संबंधी तनाव कम करने का माध्यम है, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि परीक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह धैर्य, समर्पण और आत्मविश्वास की परीक्षा भी होती है। 'परीक्षा पे चर्चा' यह सिखाता है कि तनाव से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ एक स्पष्ट योजना बनाकर परीक्षाओं का सामना किया जाए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि जिला स्कूल का गौरवशाली इतिहास रहा है। पूर्व में धारणा थी कि जिला

स्कूल में जिसका नामांकन होता था, वह समाज का बहुत मेधावी विद्यार्थी होते थे। हमारे विद्यार्थी एवं शिक्षक जिला स्कूल की उत्कृष्टता की दिशा में व्यापक रूप से कार्य करें। वे अन्य विद्यालयों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि पढ़ाई को केवल परीक्षा तक सीमित न रखें, बल्कि ज्ञान को आत्मसात करें। नियमित अभ्यास करें, समय का सही प्रयोग करें एवं आत्मविश्वास बनाए रखें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री जी हमेशा इस बात पर बल देते हैं कि हमें परीक्षा को एक अवसर की तरह देखना चाहिए, न कि किसी दबाव की तरह। हार और जीत से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपने प्रयासों में निरंतरता बनाए रखें, परिश्रम में कमी न करें। कठिनाइयाँ आएंगी, लेकिन जो विद्यार्थी हर चुनौती को सीखने का अवसर मानता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है।

उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने सभी से संवाद कर सभी को प्रोत्साहित किया एवं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विकसित भारत@2047 में अपना सक्रिय योगदान देने हेतु कहा।

(2) पुलिस बल किसी भी राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ हैं:राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम, खेलगाँव, रांची में आयोजित '68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केबल पुलिस बल की कार्यकुशलता को प्रदर्शित करता है, बल्कि आपसी सहयोग, नवीन तकनीकों के आदान-प्रदान और पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि पुलिस बल किसी भी राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ हैं। वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जनहित एवं राज्यहित में समर्पित भाव से कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। समाज और राज्य की सुरक्षा हेतु अनेक पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहारों, चुनाव कार्यों, प्राकृतिक आपदाओं या उग्रवाद से निपटने की चुनौती, हर परिस्थिति में पुलिसकर्मी पूरी निष्ठा, साहस और

ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उनका यह बलिदान, त्याग एवं सेवा की भावना सभी को प्रेरित करता रहेगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसी चुनौतियाँ बढ़ रही हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीकों और विशिष्ट कौशल से सुसज्जित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व में लागू किए गए नए आपराधिक कानून हमारे न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इन कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ और पीड़ित केंद्रित बनाना है, जिससे अपराधियों को त्वरित सजा मिल सके और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिले।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'स्मार्ट पुलिसिंग' की परिकल्पना की गई है, जिसमें पुलिस बल को अधिक संवेदनशील, आधुनिक, सतर्क, जवाबदेह और तकनीक-प्रेरित बनाने का आह्वान किया गया है। पुलिस सेवा केवल कानून व्यवस्था के संधारण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में शांति, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी इसका योगदान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

राज्यपाल महोदय ने आशा प्रकट करते हुए कहा कि यह आयोजन पुलिस बल को आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों को अपनाने हेतु प्रेरित करेगा और उनकी क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाएगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि पुलिस बल नवीनतम तकनीकी संसाधनों से लैस हों, ताकि वे अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, आतंकवाद और अन्य जटिल चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। साथ ही, जनमानस और पुलिस के बीच विश्वास और समन्वय को और मजबूत करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए।

(3) माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ‘एग्रोटेक किसान मेला-2025’ के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कृषि विश्वविद्यालय अथवा कृषि अनुसंधान केंद्र का दायित्व है कि वे किसानों के हित की सोचें। वैज्ञानिक एवं शोधकर्ताओं को सदैव किसानों के लाभ हेतु तत्पर तथा सक्रिय रहना चाहिए। कहा गया है कि 'अन्नदाता सुखी भवः'। इसलिए जब अन्नदाता सुखी होंगे, तभी हम सभी भी सुखी रह सकेंगे।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखंड एक कृषि प्रधान राज्य है, जहाँ 70% से अधिक आबादी गाँवों में निवास करती है और कृषि उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। उन्होंने कहा कि वे किसानों की कठिनाइयों और चुनौतियों से भली-भाँति अवगत हैं। वह अथक परिश्रम करते हैं, लेकिन कई बार उन्हें उनके श्रम का उचित मूल्य नहीं मिल पाता, जो हम सभी के लिए चिंता का विषय है। किसानों को उनकी फसल एवं उपज का उचित मूल्य मिले और उनकी आय में वृद्धि हो, इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमें एक-फसली तक सीमित न रहकर बहुफसली खेती की ओर ध्यान देना होगा। किसानों

की आय बढ़ाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें प्राथमिक कृषि से माध्यमिक कृषि की ओर बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे किसान आत्मनिर्भर बनें तथा हमारा राज्य कृषि के मामले में न केवल आत्मनिर्भर बनें, बल्कि अन्य राज्यों को निर्यात भी करें। कृषि वैज्ञानिकों को पूरी निष्ठा एवं लगन से कार्य करना होगा। उन्हें किसानों के बीच खेतों में जाना होगा तथा यह जानकारी देनी होगी कि कौन-सा भू-भाग किस प्रकार की खेती एवं फसल के लिए उपयोगी है। हमारे कृषि वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों को केवल प्रयोगशाला में अनुसंधान तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि उन्हें विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर किसानों के बीच रहकर कार्य करना होगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखंड की भूमि सब्जी उत्पादन, वानिकी एवं फूल उत्पादन के लिए भी उपयुक्त है। यहाँ के किसान यदि इन क्षेत्रों में कृषि करें तो उन्हें अच्छी आमदनी हो सकती है। उन्होंने कहा कि गर्व की बात है कि झारखंड को दलहन की अच्छी पैदावार के लिए कई बार कृषि कर्मण पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की स्थिति में सुधार हेतु कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। ‘पीएम किसान सम्मान निधि योजना’ एवं ‘किसान क्रेडिट कार्ड योजना’ के

माध्यम से देश के किसानों को सहायता पहुंचाने हेतु उल्लेखनीय प्रयास किया गया है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष' के रूप में मनाया गया, जिससे मोटे अनाजों की महत्ता को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली।

राज्यपाल महोदय ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इस मेले के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक उपकरणों और कृषि विशेषज्ञों से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ होगा। इसके साथ ही, उन्हें एक-दूसरे से उन्नत कृषि तकनीकों पर विचार-विमर्श करने का भी अवसर मिला होगा।

(4) माननीय राज्यपाल महोदय के निदेशानुसार राज भवन उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु दिनांक 6 फरवरी से 12 फरवरी, 2025 तक खोला गया है। आज 42922 लोगों ने राज भवन उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया। अभी तक 120042 लोगों ने राज भवन, रांची उद्यान का भ्रमण व परिदर्शन किया।

उद्यान भ्रमण का समय पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक है। विदित हो कि उद्यान में प्रवेश राज भवन के गेट न. 2 से सुरक्षा जांचोपरांत 1 बजे अपराह्न तक है।